Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI

(हिंदी)

सामान्यस्तर : प्रश्नपत्र 1

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

वेळ : तीन घंटे **एकूण गुण : 80**

पाठ्यपुस्तक :—(*i*) कालजयी, हिंदी कहानियाँ-संपादक-डॉ. रेखा सेठी, डॉ. रेखा उप्रेती

(*ii*) विज़न-मैत्रेयी पुष्पा

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी कहानी विधा का विकास स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

2. मैत्रेयी पुष्पा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'विज़न' उपन्यास की संवाद-योजना स्पष्ट कीजिए।

3. ''आधुनिक हिंदी कहानियों में नारी-चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है।'' पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विज़न' उपन्यास का डॉ. मुकुल

(ख) 'विज़न' उपन्यास की भाषा-शैली

(ग) 'विज़न' उपन्यास का उद्देश्य।

4. डॉ. आभा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) 'वापसी' कहानी के गजाधर बाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) 'अपना-अपना भाग्य' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ज) 'गर्मियों के दिन' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(झ) 'अकेली' कहानी की समस्या विशद कीजिए।

(त) 'हीली-बोन् की बत्तखें' कहानी में नारी व्यथा का चित्रण किस प्रकार हुआ है ?

(थ) 'चीफ की दावत' कहानी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''हाँ बेटा, बैकुंठ में जाएगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिंदगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुंठ में जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं।''

अथवा

''माँ सारी दुनिया आज जेट रफ्तार से चल रही है और तुम अभी फैजाबाद पैसेंजर ही बनी हुई हो।''

(ध) ''असल बात यह है कि तुम्हारी जैसी उम्र में आदमी को आदर्श बहुत लुभाते हैं। वह गठरी बाँधता जाता है। बाद में आदर्शों का यही वजन उसकी गर्दन तोड़ने लगता है।''

अथवा

''काम ही नहीं निकालना होता सर, सर्जरी के समय डॉक्टर की पहली ड्यूटी होती है मरीज के हित में सावधानी और सतर्कता रखना।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5302]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेषस्तर (प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें : — (*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
संपा.—डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित।
(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपा.—डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विद्यापति की पदावली में संयोग शृंगार के सभी पक्षों का चित्रण हुआ है—सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

गीतिकाव्य की दृष्टि से विद्यापति की पदावली का मूल्यांकन कीजिए।

2. जायसी की काव्यकला पर निबंध लिखिए।

अथवा

'पद्मावत' में वियोग शृंगार का परमोत्कर्ष हुआ है—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. विद्यापति के सौंदर्यचित्रण का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) पद्मावत की पद्मावती

(*ii*) पद्मावत में व्यक्त प्रेमभाव

(*iii*) पद्मावत का प्रकृति-चित्रण

4. जायसी के नखशिख वर्णन की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विद्यापति के काव्य में गीति योजना पर प्रकाश डालिए।

(ख) विद्यापति की भाषा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ग) विद्यापति के प्रकृतिचित्रण की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(घ) विद्यापति की अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

(च) विद्यापति की भक्ति भावना की विशेषताएँ लिखिए।

(छ) विद्यापति के काव्य की देन को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) कामिनी करए सनाने। हेरतहि हृदय हनए पंयबाने॥
चिकुर गरए जलधारा। जनि मुख-ससि उर रोअए अँधारा॥
कुच-जुग चारू चकेवा। निअ कुल मिलिअ आनि कोन देवा॥
ते संका भुज पासे। बाँधि घएल उड़ि आएत अकासे॥
तितल वसन तनु लागू। मनिहुक मानस मनमथ जागू॥

अथवा

'कत न बेदन मोहि देसि मदना। हर नहिं बला मोहि जुबति जना॥
बिभुति-भूषन नहिं याननक रेनू। बधछाल नहिं मोरा नेतक बसनू॥
नहिं मोरा जटाभार चिकुरक बेनी। सुरसरि नहिं मोरा कुसुमकस्रेनी॥

(ख) सौत सुपेती आवै जुड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूड़ी॥
यकई निसी बिछुरै दिन मिला। हाँ निसिबासर बिरह कोकिला॥
रैन अकेलि साथ नहिं सखी। कैसें जिऔं बिछोही पंखी॥
बिरह सैचान थँवें तन याँड़ा। जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा॥

अथवा

अद्रा लाण बीज थुइँ लेइ। मोहि पिय बिनु को आदर देई।
औने घटा आई यहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी।
दादुर मोर कोकिला पीऊ। करहिं बेझ घट रहै न जीऊ।
पुरव अक्षत्र सिर उपर आवा। हौं बिनु नाँह मँदिर को छावा॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-113

M.A. (I Semester) EXAMINATION, 2018
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 3: विशेष स्तर
(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)
(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय साहित्यशास्त्र का विकासक्रम विशद कीजिए।

2. रस सिद्धांत का स्वरूप समझाते हुए रस के अवयवों का विस्तृत परिचय दीजिए।

3. विविध आचार्यों के अलंकार विषयक मतों का विवेचन करते हुए अलंकार और रस का संबंध बताइये।

4. 'रीति' शब्द की परिभाषा बताते हुए रीति सिद्धांत को विशद कीजिए।

5. ध्वनि का स्वरूप विशद करते हुए ध्वनि के विविध भेद सोदाहरण समझाइये।

6. कुंतकपूर्व वक्रोक्ति विचार स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप समझाइये।

7. आचार्य क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार विशद करते हुए औचित्य के भेद समझाइये।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) रससूत्र की शंकुक द्वारा की गई व्याख्या

(2) अलंकारों का मनोवैज्ञानिक आधार

(3) रीति के विविध पर्याय

(4) ध्वनि और शब्दशक्ति।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[5302]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

अथवा

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

अथवा

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

अथवा

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तक : 'कबीर ग्रंथावली' : संपा. श्यामसुंदरदास

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर की भक्ति की विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए।

2. कबीर का रहस्यवाद सोदाहरण विशद कीजिए।

3. कबीर के समाजसुधारक रूप पर प्रकाश डालिए।

4. संत काव्य परंपरा का विस्तारपूर्वक उल्लेख करते हुए उसमें कबीर का योगदान रेखांकित कीजिए।

P.T.O.

5. कबीर के काव्य में विरह भाव किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ?

6. कबीर काव्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

7. कबीर के प्रेम तत्व का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध।
अंधे अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत॥
नाँ गुर मिल्या न सिष भया, लालच खेल्या डाव।
दुन्यूँ बूड़े धार मैं, चढ़ि पाथर की नाव॥''

(आ) ''कबीर यहु जग कुछ नहीं, षिन षारा षिन मीठ।
काल्हि जु बैठा माडिया, आन नसाँणा दीठ॥
कबीर जंत्रा न बाजई, टूटि गए सब तार।
जंत्रा बिचारा क्या करै, चलै बजावणहार॥''

(इ) ''दुलहनी गावहु मंगलचार,
हम घरि आए हो राजा राम भरतार॥ टेक॥
तन रत करि मैं मन रत करिहुँ,
पंचतत्व बराती।
राम देव मोरे पाहुनैं आये मैं जोबन,
मैं माती।''

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकाण्ड)

(*ii*) विनयपत्रिका-संपा-वियोगी हरि

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास द्वारा रचित प्रमुख रचनाओं का परिचय दीजिए।

2. 'तुलसी की भक्ति पद्धति में सभी रूप पाए जाते हैं।'' सोदाहरण समझाइए।

अथवा

गोस्वामी तुलसीदास की दार्शनिक विचारधारा प्रस्तुत कीजिए।

3. 'रामचरितमानस' के आधार पर तुलसी की समन्वय भावना को स्पष्ट कीजिए।

4. 'रामचरितमानस' के गौण पात्रों पर प्रकाश डालिए।

5. ''तुलसीदास ने विनयपत्रिका के द्वारा भक्ति भाव को पूर्ण गरिमा के साथ प्रस्तुत किया है।'' विवेचन कीजिए।

6. ''तुलसी का काव्य कालजयी रूप में स्वीकृत है''—इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

7. विनयपत्रिका के आधार पर तुलसी की काव्य भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) होंहि सगुन सुभ बिबिधि बिधिबाजहिं गगन निसान।
पुर नर नारि सनाथ करि भवन चले भगवान॥

अथवा

चरिउ चरन धर्म अण माहीं।
पूरि रहा सपमेहुँ अघ नाहीं॥
राम भगति रत मर अरु नारी।
सकल परम गति के अधिकारी॥

(ख) सकल दृस्य निज उदर मेलि, सोवै निद्रा सजि जोगी।
सोइ हरिपद अनुभवै परमसुख, अतिसय द्वैत-बियोगी॥

अथवा

देव, दनुज मुनि, नाग, मनुज सब, माया-बिबस बिचारे।
तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु कहा अपनपौ हारे॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) आषाढ़ का एक दिन
(*ii*) लहरों के राजहंस
(*iii*) आधे-अधूरे

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय नाट्य क्षेत्र में मोहन राकेश के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. आषाढ़ का एक दिन नाटक की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

3. भाषा एवं संवाद योजना की दृष्टि से आषाढ़ का एक दिन नाटक की समीक्षा कीजिए।

4. लहरों के राजहंस नाटक की नाट्य तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

5. लहरों के राजहंस नाटक की कथावस्तु स्पष्ट करते हुए शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

6. नाट्यकला की दृष्टि से आधे-अधूरे नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणी लिखिए :
(*i*) नाटक में चरित्र-चित्रण
(*ii*) आषाढ़ का एक दिन में संघर्ष तत्व
(*iii*) लहरों के राजहंस की भाषा
(*iv*) आधे-अधूरे नाटक की संवाद योजना।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :
(क) 'जानते हो मैंने अपना नाम खोकर एक विशेषण उपार्जित किया है और अब मैं अपनी दृष्टि में नाम नहीं, केवल विशेषण हूँ।

अथवा

मैं कई सूत्रों से इस भूमि से जुड़ा हूँ। उन सूत्रों में तुम हो, ये आकाश ये मेघ है, यहाँ की हरियाली है, हरिणों के बच्चे हैं, पशुपाल हैं।'

(ख) अलका ! नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है तो उसका अपकर्षण उसे गौतमबुद्ध बना देता है।

अथवा

उसने दो बार भिक्षा याचना की, फिर सहसा लौट पड़ी ! तभी मैंने उसे उजाले में देखा। देखा कि वह और कोई नहीं ..... स्वयं गौतमबुद्ध है।

(ग) 'आप नहीं जानते, हमने इन दोनों के बीच क्या-क्या गुजरते देखा है इस घर में।'

अथवा

'हर वक्त की दूत्कार, हर वक्त की कौंच, बस यही कमाई है। यहाँ मेरे इतने सालों की।'

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) हरी घास पर क्षण भर
(*ii*) बावरा अहेरी
(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. नयी कविता के विकास में अज्ञेय के योगदान को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. अज्ञेय के जीवन का परिचय देते हुए उनके काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. ''अज्ञेय नयी कविता के प्रवर्तक रहे हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. 'हरी घास पर क्षण भर' काव्य-संग्रह में चित्रित प्राकृतिक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

5. 'बावरा अहेरी' की पठित कविताओं की भावगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

6. 'कितनी नावों में कितनी बार' की कविताओं में अभिव्यक्त कवि का वास्तविक दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

7. अज्ञेय के काव्य में व्यक्त दार्शनिकता का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''सींच रही है ओस हमारे गाने
घने कुहासे में झिपते चेहरे पहचाने
खम्भों पर बत्तियाँ खड़ी हैं सीढी
ठिठक गये हैं मानों पल-छिन आने-जाने।''

(ख) ''कर्म की बाधा नहीं तुम, तुम नहीं प्रवृत्ति से उपराम
कब तुम्हारे हित थमा संघर्ष मेरा-रुका मेरा काम ?''

(ग) ''यह दीप अकेला, स्नेह भरा,
है गर्व भरा मदमाता, पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।''

(घ) ''उनमें से किसी एक को
अभी हमीं में से कोई खा जाएगा
जल्दी से पैसे चुकाएगा
चला जाएगा।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कोर्ट मार्शल : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध : संपा-मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य : संपा — डॉ. तुकाराम पाटील
डॉ. नीला बोर्वणकर.

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. '' 'कोर्टमार्शल' नाटक वर्तमान सभ्य-समाज में छिपी जाति-अवस्था पर करारा व्यंग्य करता है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'कोर्टमार्शल' नाटक की समीक्षा कीजिए।

2. ''हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों में उनके सहज और सरल जीवन की गहरी छाप है।'' पठित निबंधों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

'अशोक के फूल' निबंध में चित्रित भारतीय संस्कृति के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

3. ''यात्रा साहित्य एक ऐसी काँच है, जिसके मध्य हम लेखक के व्यक्तित्व को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।'' पठित यात्रावृत्तों के आधार पर समझाइए।

अथवा

'उड़ता चल कबूतर' के आधार पर लेखक की भ्रमण-यात्रा का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्टमार्शल' नाटक की संवाद-योजना

(ख) 'कोर्टमार्शल' का कैप्टन कपूर

(ग) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' में व्यंग्यात्मकता

(घ) 'देवदारु' निबंध का उद्देश्य

(च) 'मानस सरोवर' की मनोरम यात्रा

(छ) 'यूरोप की अमरावती' की भाषा।

5. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) ''जब दुनिया की अदालत इन्साफ न कर सके, तो कभी-कभी ऊपरवाला इन्साफ कर देता है।''

(थ) ''सच्चा साहित्य चित्तगत उन्मुक्तता को जन्म देता है। वह सहृदय के चित्त को रूढ़ और निर्जीव संस्कारों से मुक्त करके नये संदर्भ में नयी ग्राहिका शक्ति से सम्पन्न करता है।''

(द) ''यद्यपि राजघाट पर टॉलस्टॉय भवन और यासना पोल्याना में गाँधी पुस्तकालय का मेरा स्वप्न अभी कल्पना जगत में ही विद्यमान है तथापि मुझे दृढ़ विश्वास है कि पंद्रह-बीस वर्ष के भीतर ही यह साकार होकर रहेगा।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5302]-212

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-6 : विशेष स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) भ्रमरगीत सार—सूरदास संपा.: आ. रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) रीति काव्यधारा—संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''भ्रमरगीत की गोपियाँ श्रीमद्भागवत और सूर के भक्त-मन का प्रतिनिधित्व करती है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूर के वियोग-वर्णन पर प्रकाश डालिए।

2. बिहारी की अलंकार-योजना विशद कीजिए।

अथवा

बिहारी के काव्य सौंदर्य का सप्रमाण विवेचन कीजिए।

P.T.O.

3. घनानंद की प्रेम-व्यंजना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

घनानंद की काव्य-भाषा का विशद कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूर गोपियाँ

(ख) सूरदास का दार्शनिक चिंतन

(ग) बिहारी की भाषा-शैली

(घ) बिहारी की बहुज्ञता

(च) घनानंद के काव्य में अलंकार-योजना

(छ) घनानंद का सौन्दर्य-चित्रण।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) ऊधो! इन नयनन अंजन देहु।

आनहु क्यों न स्याम रँग काजर जासों जुर्‌यो सनेहु।।

तपति रहति बासर, मधुकर, नहिं सुहात तन गेहु।

जैसे मीन मरत जल बिछुरत, कहा कहौं दुख एहु।।

सब विधि बाँधि ठानि कै राख्यो खरि कपूर कोरेहु।

बारक मिलबहु स्याम सूर प्रभू, क्यों न सुजस जग लेहु?

(ख) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।

जा तन की झाईं परैं स्यामु हरित-दुति होइ।।

(ग) परकाजहि देह कों धारि फिरौ परजन्य जथारथ है दरसौ।
निधि नीर सुधा के समान करौ सबहीं विधि सज्जनता सरसौ।।
घनाआनँद जीवनदायक हौ कछु मेरियौ पीर हिये परसौ।
कबहूँ वा विसासी सुजान के आँगन मो आँसुवानि हूँ लै बरसौ।।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-213

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2018
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 7: विशेष स्तर
(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)
(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

2. प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।

3. उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्वों का विवेचन कीजिए।

4. आई. ए. रिचर्ड्स के सम्प्रेषण सिद्धांत का स्वरूप विशद करते हुए महत्व समझाइये।

5. टी.एस. इलियट के वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

6. अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत का परस्पर संबंध समझाइये।

7. समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियों के रूप में संरचनावाद और विखंडनवाद पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) विरेचन सिद्धांत

(2) काव्य में उदात्त का महत्व

(3) प्रतीकवाद का स्वरूप

(4) मनोवैज्ञानिक आलोचना।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**5**

Seat No.	

[5302]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर-वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए :

(क) हिंदी उपन्यास

अथवा

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

अथवा

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

अथवा

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

(क) हिंदी उपन्यास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य पुस्तकें :— (*i*) गोदान-प्रेमचंद

(*ii*) मैला आँचल-फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(*iii*) राग दरबारी-श्रीलाल शुक्ल

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स : ममता कालिया।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. उपन्यास का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए।

3. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

4. होरी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. ''‘मैला आँचल' में देशकाल के अनुरूप आँचलिक जीवन का यथार्थ वातावरण मिलता है।'' विवेचन कीजिए।

6. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'राग दरबारी' की समीक्षा कीजिए।

7. ''‘एक पत्नी के नोट्स' पुरुष प्रधान संस्कृति में पिसती हुई नारी का दस्तावेज है।'' स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) उपन्यास तथा जीवनी
   (ख) 'गोदान' की धनिया
   (ग) 'एक पत्नी के नोट्स' की भाषा-शैली
   (घ) 'राग दरबारी' का उद्देश्य।

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य पुस्तकें :— (*i*) अंधेर नगरी–भारतेंदु हरिश्चंद्र
(*ii*) कोणार्क–जगदीशचंद्र माथुर
(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र–डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य-दृष्टि का परिचय दीजिए।

2. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

3. प्रसादयुगीन नाटकों की सामान्य प्रवृत्तियाँ विशद कीजिए।

4. नाटक की संरचना में संवाद और भाषाशैली का क्या महत्व है ?

5. 'अंधेरी नगरी' नाटक की अभिनेयता विशद करते हुए प्रस्तुत नाटक की प्रासंगिकता समझाइए।

6. 'कोणार्क' नाटक में ऐतिहासिक और काल्पनिकता का समन्वयत हुआ है – स्पष्ट कीजिए।

7. रंगमंच एवं अभिनेयता की दृष्टि से 'एक सत्य हरिश्चंद्र' नाटक की समीक्षा कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) पारसी रंगमंच
   (ख) नाटक का दर्शक
   (ग) 'कोणार्क' : शीर्ष की सार्थकता
   (घ) 'एक सत्य हरिश्चंद्र' नाटक का कथ्य।

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. कंप्यूटर का परिचय देकर हिंदी में उपलब्ध सुविधाएँ विशद कीजिए।

3. दृक्-श्राव्य माध्यम को स्पष्ट कीजिए।

4. विज्ञापन लेखन का महत्व विशद कीजिए।

5. हिंदी भाषा के विविध रूप स्पष्ट कीजिए।

6. सरकारी पत्राचार का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

7. राजभाषा हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) इंटरनेट
   (ख) टिप्पण
   (ग) अर्धसरकारी-पत्र
   (घ) आवेदन-पत्र।

(घ) दलित साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य पुस्तकें :— (*i*) दोहरा अभिशाप-कौसल्या बैसंभी
(*ii*) पहला खत-डॉ. धर्मवीर
(*iii*) आवाजें-मोहनदास नैमिषराय
(*iv*) घुसपैठिए-ओमप्रकाश वाल्मीकि
(*v*) असीम है आसमाँ-डॉ. नरेंद्र जाधव

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. दलित साहित्य के प्रेरणास्रोतों की जानकारी दीजिए।

2. दलित साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. परंगपरागत साहित्य और दलित साहित्य के भेद को स्पष्ट कीजिए।

4. दलित साहित्य के विकास का विवेचन कीजिए।

5. 'आवाजें' की कथावस्तु बताकर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

6. 'असीम है आसमाँ' का सौंदर्यशास्त्रीय दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।

7. 'दोहरा अभिशाप' में अभिव्यक्त दलित नारी के संघर्ष पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) दलित साहित्य का कलापक्ष
(ख) दलित साहित्य का स्वरूप
(ग) 'पहला खत' के पात्र
(घ) 'घुसपैठिए' की भाषा-शैली।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5302]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI

(हिंदी)

सामान्यस्तर : प्रश्नपत्र 9

आधुनिक काव्य—I

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्यनाटक)

(2008 PATTERN)

वेळ : तीन घंटे **एकूण गुण : 80**

पाठ्यपुस्तक :—(*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद।

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. डॉ. सुरेश कुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर।

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. '''श्रद्धा', 'कामायनी' महाकाव्य की स्फूर्तिदायिनी शक्ति एवं प्राण है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के रूपकत्व पर प्रकाश डालिए।

2. '''सरोज-स्मृति' में कवि की तीव्र हो उठी पूर्व स्मृतियाँ ही फ्लैशबैक के रूप में अंकित हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'''पटकथा' आजादी के बाद की मोहभंग की स्थिति पर प्रहार करती है।'' विवेचन कीजिए।

P.T.O.

3. 'अंधा युग' के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उसकी उपलब्धि पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'अंधा युग' की शिल्पगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' का प्रतिपाद्य

(ख) 'कामायनी' में दार्शनिकता

(ग) 'ब्रह्मराक्षस' का आत्मसंघर्ष

(घ) 'असाध्य वीणा' का आशय

(च) 'अंधा युग' का अश्वत्थामा

(छ) 'अंधा युग' की प्रतीकात्मकता।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड में अति सुकुमार!
घन-तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार।
नखत की आशा-किरण समान, हृदय के कोमल कवि की कांत,
कल्पना की लघु लहरी दिव्य, कर रही मानस-हलचल शांत!''

अथवा

''प्रतिफलित हुई सब आँखें उस प्रेम-ज्योति-विमला से,
सब पहचाने-से लगते अपनी ही एक कला से।
समस्त थे जड़ या चेतन सुंदर साकार बना था,
चेतनता एक विलसती आनंद अखंड घना था।''

(झ) ''तू खिंची दृष्टि में मेरी छवि,
जागा उर में तेरा प्रिय कवि,
उन्मनन-गुंज सज हिला कुंज
तरु-पल्लव कलिदल पुंज-पुंज
बह चली एक अज्ञात बात
चूमनी केश-मृदु नवल गात,
देखती सकल निष्पलक-नयन
तू, समझा मैं तेरा जीवन।''

अथवा

''कुहरे में छनकर आती
पर्वती गाँव के उत्सक-ढोलक की थाप।
गडरिये की अनमनी बाँसुरी
कठफोडे का ठेका। फुल सुँघनी की आतुर फुरकन।
ओस-बूँद की ढरकन इतनी कोमल, तरल के झरते-झरते मानो
हरसिंगार का फूल बन गयी।''

(ट) ''कृष्ण जिधर होंगे
जय भी उधर होगी
जय है, यह कृष्ण की
जिसमें मैं वधिक हूँ
मातृवंचित हूँ
सब की घृणा का पात्र हूँ।''

अथवा

''रोई नहीं मैं अपने
सौ पुत्रों के लिए
लेकिन कृष्ण तुम पर
मेरी ममता अगाध है।
कर देते शाप यह मेरा तुम अस्वीकार
तो क्या मुझे दु:ख होता ?
मैं थी निराश, मैं कटु थी,
पुत्रहीना थी।''

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5302]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 10 : विशेष स्तर

(भाषाविज्ञान)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषाविज्ञान का स्वरूप देकर उसकी व्याप्ति विशद कीजिए।

2. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय दीजिए।

3. भाषाविज्ञान की शाखा के लिपि-विज्ञान एवं भाषा भूगोल का महत्व विशद कीजिए।

4. स्वन की परिभाषा देकर स्वन वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

5. स्वनिम के भेद सोदाहरण समझाइए।

6. रूपिम के भेद स्पष्ट कीजिए।

7. वाक्य के भेद विशद कीजिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कोश विज्ञान

(ख) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

(ग) वाक्य विश्लेषण

(घ) भाषाविज्ञान और साहित्य।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-313

M.A. (III Semester) EXAMINATION, 2018
HINDI (हिंदी)
प्रश्न 11: विशेष स्तर
(हिंदी साहित्य का इतिहास)
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)
(2008 Pattern)

समय : तीन तास **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं।

1. वीरगाथाकालीन परिस्थितियों का तत्कालीन साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा है? विशद कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) आदिकालीन धार्मिक परिस्थितियाँ

(ख) 'रासो' शब्द के विभिन्न अर्थ

(ग) अमीर खुसरो की पहेलियाँ

2. प्रेममार्गी शाखा का सामान्य परिचय देते हुए जायसी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(घ) सूरसागर

(च) कबीर की भाषा

(छ) पद्मावत

3. रीतिकाल का प्रवर्तक आप किसे मानते हैं? उचित प्रमाण के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

(ज) भूषण की कविता में राष्ट्रीयता

(झ) घनानंद

(ट) आचार्य केशवदास

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) बीसलदेव रासो का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(*ii*) भक्तिकालीन सामाजिक पृष्ठभूमि को संक्षेप में लिखिए।

(*iii*) रीतिकाल के नीति साहित्य को स्पष्ट कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(*i*) आदिकाल का 'सिद्ध-सामंत काल' नामकरण किसने किया है, स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) डिंगल का सर्वप्रथम ग्रंथ और उसके रचयिता का नाम बताइये।

(*iii*) निर्गुण भक्ति की **दो** काव्यधाराएँ कौनसी हैं?

(*iv*) प्रेमकाव्य के सर्वप्रथम रचनाकार कौन हैं? उनकी रचना का नाम बताइये।

(*v*) सूरदास किस शाखा के प्रमुख कवि हैं। सूरसागर का आधार क्या है?

(*vi*) रीतिकाल की **दो** प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

(*vii*) हिंदी का सर्वप्रथम रीतिग्रंथ और उसके रचयिता का नाम बताइये।

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

(*i*) गोरखनाथ का ग्रंथ किस नाम से प्रसिद्ध हुआ?

(*ii*) रासो साहित्य किसे कहते हैं?

(*iii*) अमीर खुसरो की कोई **एक** पहेली लिखिए।

(*iv*) सूर की कृष्ण भक्ति किस भाव की भक्ति है?

(*v*) अष्टछाप के कवि का नाम बताइये।

(*vi*) सगुण भक्ति से आप क्या समझते हैं?

(*vii*) भूषण किस दृष्टि से अद्‌वितीय हैं?

(*viii*) रीतिमुक्त कवि का नाम बताइये।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5302]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-12 : विशेषस्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना के उद्देश्यों का विवेचन करते हुए आलोचना की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

2. 'हिंदी के सर्जनशील साहित्य में हिंदी आलोचना पूरक तथा उपयोगी सिद्ध हुई है।' इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

3. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना ग्रंथों का परिचय देकर आधुनिक हिंदी आलोचना में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

4. हिंदी आलोचना के विकासक्रम पर निबंध लिखिए।

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति की विशेषताओं को समझाइए।

6. आलोचक के गुणों को विस्तार से समझाइए।

P.T.O.

7. हिंदी आलोचना में डॉ. नंददुलारे वाजपेयी का स्थान निर्धारित कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति
   (ख) तुलनात्मक आलोचना पद्धति
   (ग) आलोचना का स्वरूप
   (घ) हिंदी आलोचना में डॉ. रामविलास शर्मा का योगदान।

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद के स्वरूप और परिभाषा को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार पर प्रकाश डालिए।

2. अनुवाद के मौखिक एवं लिखित स्वरूप को विशद कीजिए।

3. अनुवाद की प्रक्रियागत स्थितियों को समझाइए।

4. प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के प्रकार लिखिए।

5. अनुवाद कार्य में भाषा-विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

6. वाणिज्य और व्यवसाय क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

7. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता को समझाते हुए उसकी समस्याओं एवं सीमाओं को विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) अनुवाद और लिप्यंतर
   (ख) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री का अनुवाद
   (ग) अलंकारों का अनुवाद
   (घ) अनुवाद समीक्षा के निकष।

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यम : सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिए।

2. भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

3. भाषा की सूचनात्मक क्षमता के वाचिक भाषा और लेखन भाषा को स्पष्ट कीजिए।

4. जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूपों का सामान्य परिचय दीजिए।

5. हिंदी पत्रकारिता के रेडियो तथा दूरदर्शन की पत्रकारिता को स्पष्ट कीजिए।

6. जनसंपर्क माध्यमों में अनुवाद के महत्व को विस्तार से लिखिए।

7. किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा के अंतर का विश्लेषण कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) जनसंचार माध्यमों का स्वरूप
   (ख) सूचना-संप्रेषण
   (ग) कंप्यूटर - एम.एस.वर्ड
   (घ) मल्टीमीडिया।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5302]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2018

हिंदी

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 13

आधुनिक काव्य–II

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्यकुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''कितने प्रश्न करूँ' खंडकाव्य नारी और पुरुष के कर्तव्यों और अधिकारों में समानता का पक्ष लेता है''—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. ''रामराज्य के सपने टूटने पर तेवर बदलती हुई हिंदुस्तानी जनता की शेष-भरी फुफकार नागार्जुन की कविता है''—विवेचन कीजिए।

अथवा

नागार्जुन के काव्य की कलागत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं के अनुभूति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं के काव्य-सौष्ठव को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' के वाल्मीकि।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' की सर्ग योजना।

(2) 'प्रेत का बयान' का व्यंग्य।

अथवा

'ऐटम बम' कविता का संदेश।

(3) 'ढाक वनी' का प्रकृति-चित्रण।

अथवा

'सन्नाटा' का कथ्य।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) अर्धांगिनी से ही संभव
सब अनुष्ठान, सब उत्सव;
बिन उसके निष्प्रभ रहते
सब आयोजन, सब वैभव।
तुमको अभाव क्यों होगा।
देवोपम कन्याओं का ?
हो कुकुत्स-कुल-गौरव तुम
तुममें सौभाग्य सभी का!

अथवा

क्या तुमने पुत्रों के प्रति
अपना कर्तव्य निभाया
या सिर्फ प्रजापालन में
था निज का ध्यान लगाया ?
क्या मर्यादा पुरुषोत्तम
पति, पिता नहीं होते हैं ?
करते हैं हित जनपद का
अपने प्रियजन खोते हैं ?

(ख) हमें सीख दो शांति और संयत जीवन की
अपने खातिर करो जुगाड़ अपरिमित धन की
बेच-बेच कर गांधीजी का नाम
बटोरो वोट/हिलाओ शीश
निपोड़ो खीस/बैंक-बैलेन्स बढ़ाओ
राजघाट पर बापू की वेदी के आगे अश्रु बहाओ।

अथवा

सारी धरती बनी अहल्या हाय
मूर्छित है हल, चूर-चूर है बैल
इसे चाहिए ट्रैक्टर का संस्पर्श!
लाख द्रौपदी माँग रही है चीर
वासुदेव भगवान अप्रतिभ आज
सौ सौ तकुओं वाली मिलें हजार
खुलें, तभी होगा इनका उद्‌धार
गरुड़ हो गया वृद्‌ध, विष्णु के हेतु
क्या न चाहिए द्रुतगति सुमिग विमान ?

(ग) माथे पर न रक्खो हाथ
जरा कुछ और तपने दो
आँखों में न पलकों की उतारो रात
श्रमजा नींद के अंकुर पनपने दो
हुई हैं लाल आँखें
इन्हें थोड़ा और जलने दो।

अथवा

जी, और गीत भी हैं, दिखलाता हूँ;
जी, सुनना चाहें आप तो गाता हूँ;
जी, छंद और वे-छंद पसंद करें-
जी, अमर गीत और वे जो तुरंत मरें।
ना, बुरा मानने की इसमें क्या बात,
मैं पास रखे हूँ कलम और दावात.....
इनमें से भाए नहीं, नए लिख दूँ.....?
जो नए चाहिए नहीं, गए लिख दूँ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-412

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2018
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 14: विशेष स्तर
(हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)
(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. अपभ्रंश का सामान्य परिचय देते हुए उसकी भाषावैज्ञानिक विशेषताएँ लिखिए।

2. हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण करते हुए पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी की तुलना कीजिए।

3. हिंदी के शब्द भंडार का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. हिंदी के शब्द निर्माण में प्रत्यय और समास के महत्व को सोदाहरण समझाइये।

5. हिंदी के क्रियारूपों के क्रमिक विकास का सोदाहरण परिचय दीजिए।

6. हिंदी के विविध रूपों का उल्लेख करते हुए संचार भाषा हिंदी के स्वरूप एवं महत्व को विशद कीजिए।

P.T.O.

7. देवनागरी लिपि का विकास बताते हुए उसमें सुधार के प्रयत्नों पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वैदिक संस्कृत

(ख) ग्रियर्सन का वर्गीकरण

(ग) हिंदी में लिंग विचार

(घ) हिंदी भाषा शिक्षण।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5302]-413

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2018
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 15 : विशेष स्तर
हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)
(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।
(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं।
(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. ''द्विवेदीयुगीन हिंदी साहित्य में सुधारवादी दृष्टि भाषा सुधार के रूप में दिखाई देती है।'' स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी नाटक साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

3. हिंदी आलोचना का विकासक्रम स्पष्ट करते हुए आचार्य रामचंद्र शुक्ल का महत्व स्पष्ट कीजिए।

4. छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों का विवेचन करते हुए महादेवी वर्मा के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. साठोत्तरी कविता का सामान्य परिचय देते हुए धूमिल की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) हिंदी गद्य—विकास और ब्रह्मो समाज

(*ii*) स्वातंत्र्योत्तर कहानी

(*iii*) निबंधकार विद्यानिवास मिश्र

(*iv*) भारतेंदुयुगीन काव्य

(*v*) प्रयोगवाद के उद्‌भव के कारण

(*vi*) कवि केदारनाथ अग्रवाल।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(*i*) भारतेंदु पूर्वकाल के गद्यकार लल्लू जी लाल का परिचय दीजिए।

(*ii*) नई कहानी की **दो** प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) जैनेन्द्र के उपन्यास साहित्य की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(*iv*) नई कविता की **दो** प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(*v*) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की **दो** प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*vi*) विद्रोही कवि 'निराला' का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(*i*) आर्य समाज के संस्थापक कौन हैं?

(*ii*) नामवर सिंह के किसी **एक** आलोचना ग्रंथ का नाम लिखिए।

(*iii*) 'हजार-हजार बाँहों वाली' रचना किसकी है?

(*iv*) जगदीशचंद्र माथुर के किसी **एक** नाटक का नाम लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5302]-414

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(क) भारतीय साहित्य

अथवा

(ख) लोक साहित्य

अथवा

(ग) हिंदी पत्रकारिता

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीयता के विविध आयामों का विवेचन कीजिए।

2. 'भारतीय साहित्य में एकता के दर्शन होते हैं' - स्पष्ट कीजिए।

3. मध्यकालीन हिंदी साहित्य में व्यक्त भारतीय मूल्यों का विवेचन कीजिए।

4. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य की मूल प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

5. 'हयवदन में पारंपरिक अथवा लोकनाट्य-रूपों के कई जीवंत रंग तत्वों का विरल रचनात्मक इस्तेमाल किया गया है' - विवेचन कीजिए।

6. 'अधूरे मनुष्य' की कहानियों में निराश्रित लोगों की करुण चीत्कार और निर्धन लोगों के एकाकीपन का चित्रण मिलता है। स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

7. '1084वें की माँ' की चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विदेशी प्रभाव की समस्या

(ख) भारतीय समाज की प्रमुख विशेषताएँ

(ग) 'हयवदन' में व्यक्त भारतीयता

(घ) 'अधूरे मनुष्य' कहानी का कथ्यन।

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य के साम्य-भेद को स्पष्ट कीजिए।

2. लोक साहित्य का सामाजिक, धार्मिक तथा राष्ट्रीय महत्त्व विशद कीजिए।

3. लोक साहित्य का मनोविज्ञान, भूगोल तथा पुरातत्त्व के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

4. लोक साहित्य के संकलन की पद्धतियों पर प्रकाश डालते हुए संकलनकर्ता की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

5. लोक कथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए लोक कथा में अभिप्राय का महत्त्व विशद कीजिए।

6. लोक नाट्य की विशेषताएँ बताते हुए 'रामलीला' का परिचय दीजिए।

7. 'लोक साहित्य में जीवन के विविध भावों की सशक्त एवं सफल अभिव्यक्ति मिलती है' - सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) लोक साहित्य संकलन के उद्देश्य
   (ख) सावनगीत
   (ग) लोकगाथा का स्वरूप
   (घ) मंत्र और टोना।

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए किन्हीं **दो** प्रमुख पत्रकारों का परिचय दीजिए।

2. हिंदी की स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास पर प्रकाश डालिए।

3. समाचार-पत्र प्रस्तुति प्रक्रिया में शीर्षकीकरण तथा पृष्ठ विन्यास का महत्व स्पष्ट कीजिए।

4. समाचारों के विभिन्न स्रोतों पर प्रकाश डालिए।

5. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

6. प्रिंट पत्रकारिता का स्वरूप करते हुए विज्ञापन का महत्व बताइए।

7. पत्रकारिता के व्यवस्थापन में बिक्री तथा वितरण व्यवस्था का महत्व स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) विश्व पत्रकारिता का स्वरूप
   (ख) दृश्य सामग्री की व्यवस्था
   (ग) सूचनाधिकार तथा मानवाधिकार
   (घ) इंटरनेट पत्रकारिता।